Literacy for a Billion

Movie: Jewel Thief
Year: 1967

Song: Aasmaan Ke Neeche
Lyricist: Majrooh Sultanpuri

आसमाँ के नीचे
हम आज अपने पीछे
प्यार का जहाँ बसाके चले
क़दम के निशाँ बनाके चले
आसमाँ के नीचे
हम आज अपने पीछे
प्यार का जहाँ बसाके चले
क़दम के निशाँ बनाके चले

तुम चले तो फूल जैसे
आँचल के रँग से
सज गईं राहें
सज गईं राहें

पास आओ मैं पहना दूँ
चाहत का हार ये
खुली खुली बाँहें
खुली खुली बाँहें

जिसका हो आँचल
खुद ही चमन
कहिए वो क्यों
हार बाँहों के डाले

अरे आसमाँ के नीचे
हम आज अपने पीछे
प्यार का जहाँ बसाके चले

क़दम के निशाँ बनाके चले

बोलती हैं आज आँखे
कुछ भी ना आज तुम
कहने दो हमको
कहने दो हमको

बेखुदी बढ़ती चली है
अब तो ख़ामोश ही
रहने दो हमको
रहने दो हमको

एक बार एक बार
मेरे लिए
कह दो खनकें
लाल होंठों के प्याले

आसमाँ के नीचे
हम आज अपने पीछे
प्यार का जहाँ बसाके चले
क़दम के निशाँ बनाके चले

साथ मेरे चलके देखो
आईं है धूम से
अब की बहारें
अब की बहारें

हर गली हर मोड़ पे वो
दोनों के नाम से
हमको पुकारें
तुमको पुकारें

कह दो बहारों से
आएँ इधर
उन तक उठकर
हम नहीं जाने वाले

अरे आसमाँ के नीचे
हम आज अपने पीछे
प्यार का जहाँ बसाके चले
क़दम के निशाँ बनाके चले

आसमाँ के नीचे
हम आज अपने पीछे
प्यार का जहाँ बसाके चले
क़दम के निशाँ बनाके चले

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.